Release of Diagnostic Kits and Mobile App developed by ICAR-NIHSAD by Hon'ble Union Minister for Agriculture and Farmer's Welfare

Hon'ble Union Minister for Agriculture and Farmer's Welfare Shri Narendra Singh Tomar released two diagnostic kits and one Mobile App developed by ICAR-National Institute of High Security Animal Diseases, Bhopal during the inaugural function of "Brainstorming Session on Technological Innovations and Strategies for Farmer's Prosperity in Madhya Pradesh & Chhatisgarh" at NAS Complex, ICAR, New Delhi on 26th Aug., 2019. The function was attended by MoS for Agriculture and Farmer's Welfare, Shri Parshottam Rupala and Shri Kailash Chaudhary, Secretary, Department of Agriculture Cooperation and Farmer's Welfare Shri Sanjay Agrawal, Secretary, DARE & DG, ICAR Dr. Trilochan Mohapatra and other dignitaries.

Poultry is one of the fastest growing segments of the agricultural sector in India and pig farming is important to the economy of the North East. The recurrent outbreaks of Bird flu/Avian Influenza in poultry and Porcine Reproductive and Respiratory Syndrome (PRRS) in pigs have caused great economic losses to the poultry and pig farmers of India. The kits released included Recombinant antigen based ELISA kits for diagnosis of Avian influenza in poultry and Porcine Reproductive and Respiratory Syndrome in pigs. Currently, the diagnostic kits for these diseases are being imported and ELISA kits developed by ICAR-NIHSAD will play an important role in cost effective sero-surveillance and monitoring of AI and PRRS in the country, aiding in the control of the disease.

The bilingual "Bird Flu se Suraksha" mobile app released during the function will be helpful to spread awareness among poultry farmers, veterinarians, bird handlers and consumers regarding bird flu.

डायग्नोस्टिक किट और मोबाइल एप का विमोचन

माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 26 अगस्त, 2019 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, नई दिल्ली में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसानों की समृद्धि के लिए तकनीिक नवाचार और रणनीित पर मंथन सत्र के उद्घाटन समारोह के दौरान भाकृअनुप-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान, भोपाल द्धारा विकसित दो नैदानिक एलिसा किट और एक मोबाइल एप का विमोचन किया। इस समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री पुरूषोत्तम रूपाला और श्री कैलाश चौधरी, कृषि सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री संजय अग्रवाल, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, डॉ. त्रिलोचन महापात्र और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

कुक्कुट पालन भारतीय कृषि के सबसे तेजी से बढते क्षेत्रों में से एक है और शूकर पालन उत्तर-पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। मुर्गियों मे एवियन इन्फ्लूएंजा (वर्ड फ्लू) और शूकरों में शूकरीय प्रजनन और श्वसन सिंड्रोम (पीआरआरएस) के बार-बार प्रकोप ने भारत के कुक्कुट और शूकर किसानों को बहुत आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। भाकृअनुप-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान, भोपाल ने वर्ड फ्लू और पीआरआरएस के निदान के लिए पुनःसंयोजी प्रतिजन आधारित एलिसा किट विकसित की है। वर्तमान में इन रोगों के लिए डायग्नोस्टिक किट विदेशों से आयात की जाती हैं, और भाकृअनुप-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान द्वारा विकसित ये एलिसा किट देश में वर्ड फ्लू और पीआरआरएस की प्रभावी निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, जिससे बीमारी के नियंत्रण में सहायता मिलेगी।

इस समारोह के दौरान जारी "बर्ड फ्लू से सुरक्षा" द्विभाषी मोबाइल एप बर्ड फ्लू के बारे में मुर्गीपालकों, पशु चिकित्सकों, पक्षी प्रहस्तकों एवं उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता फैलाने में सहायक होगा ।





